वैज्ञानिकों की बढ़ीं आशाएं

बेंगलुरु 10 सितंबर (वार्ता) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा कि चंद्रयान-2 के लैंडर विक्रम से अभी संपर्क नहीं हो पाया है लेकिन इसके लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

इसरो ने अपने एक ट्वीट में कहा, विक्रम लैंडर के लोकेशन का चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर ने पता

लैंडर से संपर्क स्थापित करने के सारे संभव प्रयास

अनियोजित तरीके से चांद की सतह पर पहुंचे विक्रम लैंडर से इसरो का संपर्क अबतक नहीं हो पाया है। इसरो ने आज ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। उसने कहा कि चंद्रयान- 2 के ऑर्बिटर ने विक्रम लैंडर का पता तो लगा लिया, लेकिन उससे संपर्क नहीं हो पा रहा है। इसरो ने लिखा, लैंडर से संपर्क स्थापित करने की सारे संभव प्रयास किए जा रहे हैं। विक्रम चंद्रमा की सतह पर तिरछा पड़ा है और उसमें कोई टूट-फूट नहीं हुई है। इसरो ने बताया था कि ऑर्बिटर ने जो तस्वीर भेजी है, उसमें विक्रम का कोई टुकड़ा नहीं दिख रहा है। इसका मतलब है कि विक्रम बिल्कुल साबुत बचा है। तब वैज्ञानिकों ने विक्रम से दोबारा संपर्क साधे जाने की संभावना व्यक्त की। गौरतलब है कि 22 जुलाई को लॉन्च हुआ चंद्रयान- 2 लगातार 47 दिनों तक तमाम बाधाओं को पार करते हुए चांद के बेहद करीब पहुंच गया था। 6-7 सितंबर की दरम्यानी रात इसके लैंडर विक्रम को अपने अंदर रखे रोवर प्रज्ञान के साथ चंद्रमा की सतह पर उतरना था, लेकिन महज 2.1 किमी की दूरी पर ही वह रास्ता भटक गया और उसका इसरो से संपर्क टूट गया।

चांद पर सलामत है लैंडर, संपर्क के प्रयास जारी : इसरो

लगा लिया गया है, मगर अब तक उससे संपर्क नहीं साधा जा सका है। विक्रम लैंडर से संपर्क स्थापित करने के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। इसरो ने मंगलवार को कहा कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर शनिवार को उतरते समय अंतिम क्षणों में विक्रम लैंडर से इसरो का संपर्क टूट गया था। लैंडर का पता लगा लिया गया है लेकिन अभी तक उससे संपर्क नहीं हो सका है। इसरो ने कहा कि लैंडर विक्रम से संपर्क स्थापित करने के हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं।

इसरो के एक अधिकारी ने कहा कि चंद्रयान-2 का लैंडर विक्रम चांद की सतह पर सलामत और साबुत अवस्था में है और यह टूटा नहीं है। उसकी लैंडिंग तेज गति से हुई थी। उससे पुनः संपर्क स्थापित करने की हरसंभव कोशिश की जा रही है लेकिन यह काफी कठिन कार्य हो सकता है। भारतीय अंतरिक्ष रिसर्च संगठन (इसरो) ने विक्रम लैंडर के संबंध में मंगलवार को कहा कि उससे संपर्क स्थापित करने के सभी कोशिशें की जा रही हैं। अंतरिक्ष एजेंसी ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा, चंद्रयान-2 ऑर्बिटर ने विक्रम लैंडर का पता लगा लिया है, लेकिन अभी तक उससे संपर्क नहीं हो सका है। उससे संपर्क स्थापित करने के लिए सभी संभव प्रयास किए जा रहे हैं.ज्ञ् इसरो ने हालांकि यह नहीं बताया कि चांद की सतह पर लैंडर इस समय किस स्थिति में है। इससे पहले सोमवार को इसरो ने कहा था कि चंद्रयान 2 का लैंडर विक्रम चांद की सतह पर गिरने के बाद नहीं टूटा है। इसरो के सूत्रों ने कहा था कि लैंडर विक्रम को जैसे उतरना चाहिए था वैसे वह नहीं उतरा। इसरो ने कहा है कि लैंडर विक्रम से संपर्क की कोशिशें जारी हैं।

इसरो का बयान ऐसे वक्त आया है जब बीते दिनों चेयरमैन के सीवान ने कहा था कि चंद्रयान-2 ऑर्बिटर ने विक्रम लैंडर की थर्मल इमेज भेजी है। के सीवान ने रविवार को कहा था, हम उससे संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। इस बारे में जल्द ही सूचित किया जाएगा। हालांकि उन्होंने ये भी कहा था कि इस बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

नवाज की अपील पर सुनवाई करेगी दो सदस्यीय पीठ

इस्लामाबाद, 10 सितम्बर (वार्ता) इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के अल अजीजिया भ्रष्टाचार मामले में सुनवाई के लिए दो सदस्यीय पीठ का गठन किया है।

नवाज शरीफ ने अल अजीजिया भ्रष्टाचार मामले में अपनी सजा के खिलाफ याचिका दायर की थी। आईएचसी ने पूर्व प्रधानमंत्री की याचिका पर सुनवाई के लिए न्यायाधीश आमिर फारुख और न्यायाधीश मोहसिन अख्तर कयानी की दो सदस्यीय पीठ का गठन किया है। यह पीठ 18 सितंबर को नवाज की अपील पर सुनवाई करेगी।

मोदी, ओली ने किया पाइपलाइन का उद्घाटन

नयी दिल्ली, 10 सितंबर (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये मोतीहारी-अमलेखगंज पाइप

यह दक्षिण एशिया की पहली अंतर्राष्ट्रीय पाइप लाइन

लाइन परियोजना शुभारंभ किया जो दक्षिण एशिया की पहली अंतर्राष्ट्रीय पाइपलाइन है।

श्री मोदी ने इस मौके पर कहा कि इस पाइपलाइन के माध्यम से हर साल नेपाल को 20 लाख टन स्वच्छ ईंधन की आपूर्ति की जा सकेगी। इससे नेपाल के लोगों को मदद मिलेगी। उन्होंने इस बात पर संतोष जताया कि इस परियोजना के कारण नेपाल में ईंधनों की कीमत कम होगी। श्री ओली ने उनके देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तत्काल प्रभाव से कटौती की घोषणा करते हुये कहा मुझे आपको यह बताते हुये खुशी हो रही है कि नेपाल ऑयल कॉर्पोरेशन ने आज से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो-दो रुपये की कटौती कर दी है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से दोनों देशों के परस्पर संबंधों को नयी दिशा मिलेगी। उन्होंने श्री मोदी को जल्द से जल्द नेपाल की यात्रा पर आने का निमंत्रण देते हुये कहा कि निस्संदेह यह परियोजना दोनों देशों के बीच आपसी संपर्क और आपसी निर्भरता बढ़ायेगी। यह व्यापार के क्षेत्र में संपर्क के बेहतरीन उदाहरणों में से एक है। उन्होंने कहा कि 'समृद्ध नेपाल' बनाने के लिए वह भारतीय प्रधानमंत्री के साथ मिलकर काम करने के इच्छुक हैं।

वृहद एजेंडा किया गया तैयार : मोदी

श्री मोदी ने श्री ओली के आमंत्रण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि वह जल्द से जल्द नेपाल की यात्रा करना चाहेंगे। दोनों देशों के लोगों के बीच दशकों पुराना संबंध है। हालिया समय में उच्च स्तरीय राजनीतिक संबंध भी बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि वह पिछले डेढ़ साल में चार बार नेपाल की यात्रा कर चुके हैं। दोनों देशों की संयुक्त परियोजनाओं को जल्द से जल्द लागू करना दोनों सरकारों की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-नेपाल संबंधों को नयी ऊँचाई तक ले जाने के लिए एक वृहद एजेंडा तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि नेपाल में विकास और प्रगति हासिल करने की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता एक बार फिर दुहराता हूँ। श्री ओली ने कहा कि इस परियोजना अपने-आप में अनोखी है। तय समय से पहले पूरी की गयी इस परियोजना से समय और धन की लागत में कमी आयेगी, इससे सड़क मार्ग पर यातायात का बोझ कम होगा।

फीस वृद्धि मामले में सर्वदलीय बैठक की मांग

अगरतला 10 सितंबर (वार्ता) त्रिपुरा प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष प्रद्योत किशोर देववर्मन ने सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की फीस अचानक बढ़ाने के विरोध के मद्देनजर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है।

एपीएल जीवन बसर करने वाले मरीजों की फीस 20 रु.

विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए शिक्षा मंत्री रतन लाल नाथ ने कहा कि आईजीएम अस्पताल के परिसर में नवनिर्मित सुपर-स्पेशियलिटी ब्लॉक में दिल के मरीजों के इलाज के लिए सुविधाएं शुरू हो गयी हैं। अधिसूचना के अनुसार गरीबी रेखा से ऊपर (एपीएल) जीवन बसर करने वाले मरीजों को पंजीकरण फीस प्रति मरीज 20 रुपये और प्राथमिक समूह के लोगों को 10 रुपये भुगतान करना होगा तथा अस्पताल में भर्ती होने पर अलग से फीस देनी होगी। उपचार के दौरान एपीएल के मरीजों को आईसीयू में भर्ती के लिए 600 रुपये और प्राथमिक समूह के मरीजों को 400 रुपये की बढ़ोतरी की गयी है।

सरकार राज्य के लोगों को बुनियादी सेवाओं से कर रही वंचित : प्रद्योत किशोर

श्री देववर्मन ने कहा कि इस फैसले से आम लोगों की परेशानी बढ़ गई है। उन्होंने कहा, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करने के बजाय सरकार राज्य के लोगों को बुनियादी स्वास्थ्य सेवा से वंचित कर रही है। मैं स्वास्थ्य सेवाओं की अच्छी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सर्वदलीय चर्चा की मांग करता हूँ. उन्होंने कहा कि यह सरकार कुछ नया नहीं कर रही बल्कि पिछली सरकार की खराब स्वास्थ्य प्रणाली को आगे बढ़ा रही है।

उन्होंने सुझाव दिया, हमें प्रणाली को सुधारना चाहिए और सेवा गुणवत्ता और समुचित सुविधाओं में सुधार के बिना गरीब मरीजों पर शुल्क लगाने की बजाय यह सुनिश्चित करना चाहिए दवाओं और डॉक्टरों की उपलब्धता 24 घंटे हो. मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस पिछले दो दिनों से इस फैसले को वापस लेने के लिए धरना-प्रदर्शन कर रही है तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से इस अधिसूचना को वापस लेने की मांग कर रही है।

यातायात जुर्माने की राशि में धीरे-धीरे बढ़ोतरी की माँग

नयी दिल्ली 10 सितम्बर (वार्ता) देश में मोटर वाहन अधिनियम (एमवीए) में संशोधन के बाद यातायात का उल्लंघन करने पर किये जा रहे बड़ी रकम के

फर्जी तथा फंसाने वाले चालान रोकने के तरीके तलाशें

चालान के बीच विश्व भर में सड़कों को बेहतर और सुरक्षित बनाने के लिए काम कर रही वैश्विक संस्था इंटरनेशनल रोड फेडरेशन (आईआरएफ) ने इसका स्वागत करते हुए सरकार को सुझाव दिया है कि जुर्माने की राशि में धीरे-धीरे इजाफा किया जाना चाहिये और 'फर्जी' तथा 'फँसाने वाले' चालान रोकने के तरीके भी तलाशे जाने चाहिये।

आईआरएफ के पूर्व अध्यक्ष और यातायात बुनियादी ढाँचे पर फिक्की की राष्ट्रीय समिति के सह-अध्यक्ष के.के. कपिला ने मंगलवार को कहा, मोटर वाहन अधिनियम में हाल में किये गये संशोधनों से यातायात नियमों के उल्लंघन पर जुर्माने की राशि में कई गुणा बढ़ोतरी को गलत नहीं ठहराया जा सकता। इसकी सराहना होने चाहिये किंतु जुर्माने की राशि को धीरे-धीरे बढ़ाया जाना चाहिये। उदाहरण के तौर पर यदि जुर्माना 100 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये किया जा रहा है तो पहले वर्ष में इसे 250 रुपये किया जाये, दूसरे वर्ष में 500 रुपये और तीसरे वर्ष में 1000 रुपये किया जाना चाहिये।

श्री कपिला ने कहा, कानून लागू कराते समय यह संदेश जाना चाहिये कि जुर्माना उस व्यक्ति के फायदे के लिए किया जा रहा है, किसी और मकसद से नहीं. नये मोटर वाहन अधिनियम के संबंध में जनता को अधिक से अधिक जागरूक करना चाहिये।

यातायात नियम तोड़ने वालों से एकत्रित जुर्माना राशि का इस्तेमाल केवल सड़क सुरक्षा के लिए ही होना चाहिये, अन्य कामों के लिए नहीं. उच्चतम न्यायालय ने अलग से जो सड़क सुरक्षा कोष बनाने के लिए कहा है, यातायात उल्लंघन से मिली जुर्माने की राशि उसी मद में जानी चाहिये।

चालान पर सड़क सुरक्षा संदेश और चेतावनी छापें

उच्चतम न्यायालय के जाने-माने वकील और सड़क सुरक्षा के लिए सक्रियता से जुटे अरुण मोहन का कहना है, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को शिक्षित करने और जुर्माने की राशि धीरे-धीरे बढ़ाने के लिए हमारा सुझाव है कि यातायात पुलिसकर्मियों के पास हरी, लाल और नारंगी स्याही वाली मुहर होनी चाहिये, जिनसे चालान पर सड़क सुरक्षा के संदेश और चेतावनी छापा दिये जायें। उदाहरण के तौर पर बगैर हेलमेट पाये गये व्यक्ति के चालान पर यह संदेश दिया जा सकता है, 'हेलमेट पहने 100 दुपहिया चालकों के साथ दुर्घटना हुई, जिनमें पाँच की मौत हुई और 15 घायल हुये।

इधर उधर

पुडुचेरी में वकीलों ने किया काम का बहिष्कार

पुडुचेरी. पुडुचेरी की सभी अदालतों के वकीलों ने मद्रास उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश विजया कमलेश ताहिलरमानी के तबादले के विरोध में मंगलवार को कार्य बहिष्कार किया। न्यायमूर्ति ताहिलरमानी का मेघालय उच्च न्यायालय तबादला कर दिया गया था। उन्होंने उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम से तबादले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया था जिसे अस्वीकार किए जाने के बाद उन्होंने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाले इस कॉलेजियम में पांच न्यायाधीश हैं और इसने ही न्यायमूर्ति ताहिलरमानी का तबादले की सिफारिश की थी।

हाईवे की बदहाली के विरोध में चक्काजाम

पत्थलगांव. छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में कटनी-गुमला राष्ट्रीय राजमार्ग की बदहाली के विरोध में आज पत्थलगांव में नागरिकों ने लगभग एक घंटे तक वाहनों का आवागमन ठप्प कर दिया। इस विरोध प्रदर्शन से रायगढ़, अम्बिकापुर और जशपुर मार्ग पर वाहनों की लम्बी कतारें लगी रहीं। तहसीलदार महेश शर्मा ने बताया कि सड़क की बदहाली को लेकर चक्काजाम आन्दोलन से काफी देर तक जनजीवन प्रभावित रहा।

युवक की गोली मारकर हत्या

दरभंगा. बिहार में दरभंगा जिले के बिरौल थाना क्षेत्र के नसौता गांव में अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी. बिरौल के अनुमंडल पुलिस अधिकारी दिलीप कुमार झा ने आज यहां बताया कि नसौता गांव निवासी कलर यादव का पुत्र राम बदन यादव (40) कल रात अपने घर में सोया हुआ था तभी अपराधियों ने उसे गोली मारकर घायल कर दिया। घायल को इलाज के लिये अस्पताल ले जाया जा रहा था तभी रास्ते में उसने दम तोड़ दिया।

मादुरो ने रक्षा परिषद की बैठक बुलायी

मेक्सिको सिटी. वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने कोलंबिया की ओर से हमले की आशंका के मद्देनजर राष्ट्रीय रक्षा परिषद से उचित निर्णय लेने का आह्वान किया है। श्री मादुरो ने सोमवार को टेलीविजन पर अपने संबोधन में कहा, ज्वमैने मातृभूमि की रक्षा के लिए कोलंबिया सरकार की ओर से हमले की आशंका को ध्यान में रख कर अनुच्छेद 323 के तहत रक्षा परिषद की बैठक बुलाने का फैसला किया।

बातचीत से पहले दागीं मिसाइलें

मॉस्को 10 सितंबर (स्पूतनिक) उत्तर कोरिया ने अमेरिका के साथ फिर बातचीत शुरू करने के लिए सहमति जताने के एक दिन बाद मंगलवार तड़के जापान सागर में दो मिसाइलें दागी।

यह मिसाइल 330 किमी तक लक्ष्य भेद सकती है

दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहैप ने दक्षिण कोरिया की सेना प्रमुख के हवाले से कहा, हमारी सेना अन्य मिसाइलें दागी जाने की आशंका के मद्देनजर और हर तरह की स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के वास्ते स्थिति की निगरानी कर रही है. एक बयान के अनुसार आज सुबह उत्तर कोरिया के दक्षिण प्योंगान प्रांत से जापान के समुद्री इलाके में दो मिसाइलें दागी गयी. जापान टाइम्स ने दक्षिण कोरिया के सेना प्रमुख के हवाले से बताया कि ये छोटी दूरी की मारक क्षमता वाली मिसाइल है और लगभग 330 किलोमीटर तक अपना लक्ष्य भेद सकती हैं. स्थानीय मीडिया ने जापान सरकार का हवाला देते हुए कहा कि उत्तर कोरिया की ओर से दागी गयी मिसाइल से देश की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा नहीं हुआ है.

जहाज से सुरक्षित निकाले गए चालक दल के चार सदस्य

वाशिंगटन. अमेरिकी तटरक्षक दल ने जॉर्जिया के तट के पास डूबे मालवाहक जहाज में फंसे चालक दल के चार सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया है। तटरक्षक दल ने ट्वीट कर बताया कि चालक दल के तीन सदस्य पहले ही निकाल लिये गये थे और चौथे सदस्य को भी सुरक्षित निकाल लिया गया है। जहाज को समुद्र से निकालने और समुद्री पर्यावरण को दूषित होने से बचाने का अभियान जारी है। मैरीलैंड के बाल्टीमोर के लिए रवाना हुआ मालवाहक जहाज 'द गोल्डन रे' ब्रुंसविक से निकलने के कुछ ही देर बाद जॉर्जिया के तट के पास रविवार को डूब गया था।

जुड़वा बच्चों को जन्म देने के बाद महिला की मौत

श्रीगंगानगर 10 सितंबर (वार्ता) राजस्थान में हनुमानगढ़ शहर के टाउन थाना क्षेत्र में एक महिला की जुड़वां बच्चों को जन्म देने के बाद अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई. पुलिस के अनुसार क्षेत्र के फतेहगढ़ गांव में पुरुषोत्तमबास निवासी जसविंदर कौर उर्फ रानी यहां सरकारी अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती थी. जसविंदर कौर ने प्रसव के दौरान दो जुड़वा बच्चों को जन्म दिया. इसके बाद उसकी तबीयत खराब हो गयी और सोमवार शाम को उसकी मृत्यु हो गई. पुलिस ने बताया कि प्रसव के दौरान जसविंदरकौर को दिल का दौरा पड़ गया था, जिसके बाद उसकी हालत संभल नहीं पाई. मृतका के पति सुखचरण सिंह द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया गया है.

32 साल का लड़का बना 81 साल का बूढ़ा

नई दिल्ली, 10 सितंबर न्यूयॉर्क जाने की सनक इस कदर हावी हुई कि एक लड़के ने अपना हुलिया 81 साल के बूढ़े का बना डाला. यह अलग बात है कि तमाम कोशिशें

न्यूयॉर्क जाने की सनक हुई सवार

के बाद भी वो सुरक्षा और जांच एजेंसियों की नजर से बच नहीं सका. उसे गिरफ्तार करके पूछताछ की जा रही है.

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के प्रवक्ता सहायक महानिरीक्षक हेमेंद्र सिंह ने बताया, च्इंदिरा गांधी हवाई अड्डे के टर्मिनल तीन पर रविवार रात वेशभूषा बदले हुए एक बहरूपिया व्हील चेयर पर पहुंचा था. एयरपोर्ट पर उसने जांच एजेंसियों को धोखा देकर इमीग्रेशन भी क्लियर करा लिया था.

सीआईएसएफ प्रवक्ता के मुताबिक, सीआईएसएफ को उसके बात करने के तौर-तरीके पर शक हो गया. वह व्यक्ति बुजुर्ग की आवाज में जैसे बोल रहा था, उस हिसाब से उसकी त्वचा पर झुर्रियों का नाम-ओ-निशान नहीं था. युवक की त्वचा और उसकी बदली हुई बोली ने उसकी ड्रामे का भंडाफोड़ कर दिया.

आज का इतिहास

1714 - ड्यूक ऑफ बर्विक के तहत फ्रेंच और स्पेनी सैनिकों ने बार्सिलोना पर कब्जा किया।

1741 - रानी मारिया थेरेसा हंगेरियाई संसद को संबोधित किया।

1906 - देश के राष्ट्रीय पिता महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के अधिकारों को शुरू अहिंसक आंदोलन को पहली बार 'सत्याग्रह' नाम दिया।

1965 - भारतीय सेना ने भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान दक्षिण पूर्वी लाहौर के निकट बुर्की शहर पर कब्जा किया।

1987 - भारत की प्रसिद्ध कवित्री महादेवी वर्मा का निधन हुआ।

2012 - सोमालिया की सेना के साथ संघर्ष में अल शबाब के 50 आतंकवादी मारे गये

मनाया अब्दुल हमीद का 54वाँ शहादत दिवस

जौनपुर, 10 सितम्बर (वार्ता) उत्तर प्रदेश के जौनपुर में मंगलवार को क्रांति स्तम्भ पर हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी व लक्ष्मीबाई ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं ने 1965 भारत -पाक युद्ध के

परमवीर चक्र विजेता

महानायक परमवीर चक्र विजेता अमर शहीद वीर अब्दुल हमीद का 54 वां शहादत दिवस मनाया।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने क्रांति स्तम्भ मोमबत्ती व अगरबत्ती जलाया और दो मिनट का मौन रख कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी।

क्रांति स्तम्भ पर उपस्थित लोगो को संबोधित करते हुए लक्ष्मीबाई ब्रिगेड की अध्यक्ष मंजीत कौर ने कहा कि शहीद अब्दुल हमीद का जन्म उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के धामुपुर गाँव में 12 सितम्बर को हुआ था। उन्होंने कहा कि वीर अब्दुल हमीद भारतीय सेना में तैनात थे। उन्होंने कहा कि वीर अब्दुल हमीद ने 1965 की जंग के दौरान पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल किये गए तीन पैटन टैंकों को उड़ा दिया था। फोर ग्रेनेडियर के कंपनी कमांडेंट अब्दुल हमीद चौथे पैटन टैंक को नष्ट करते हुए शहीद हो गए थे। सरकार ने उन्हें परमवीर चक्र से सम्मानित किया था। पूरा देश आज उनकी शहादत को सलाम कर रहा है।

इस अवसर पर धर्म सिंह, मंजित कौर, अनिरुद्ध सिंह, मैनेजर पांडेय सहित अनेक लोग मौजूद थे।

अमेरिका 26, रूस 14 बार फेल... चांद पर जो गिरा, वह फिर उठकर दौड़ा

नई दिल्ली, 10 सितंबर. भारत का मिशन चंद्रयान-2 भले ही सफलता से चांद पर नहीं उतर पाया हो लेकिन इससे निराश होने की जरूरत नहीं है. अंतरिक्ष इतिहास में हार में ही जीत की कहानियां छिपी हुई हैं. अमेरिका और रूस जैसे दिग्गज देश भी कई बार असफल होने के बाद ही चांद को छूने में कामयाब रहे थे.

1950 के दशक में हुई थी चांद को छूने की तमन्ना

भारत का चंद्रयान-2 मिशन चांद की सतह पर लैंड करने के ठीक पहले रास्ता भटक गया. हालांकि, भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी (इसरो) ने अपने प्रयोग से अंतरिक्ष अभियान में अपनी पहचान और पुख्ता कर ली है. ऐसा नहीं है कि केवल भारत ही चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग से चूका हो, अमेरिका और रूस जैसे देशों को भी अपने चांद अभियानों में मुश्किलों का सामना करना पड़ा था. शुरुआत में तो चांद पर पहुंचने की सफलता दर बेहद कम थी लेकिन, जैसे-जैसे तकनीक बदलती गई इसमें बदलाव आता गया. अमेरिका अपने कुल चांद मिशन में 26 बार असफल रहा है जबकि रूस को 14 बार नाकामी हाथ लगी थी. चांद के साउथ पोल की सतह पर की सॉफ्ट लैंडिंग की असफल कोशिश एक छोटा झटका माना जा रहा है. इस झटके से मिली सीख के बाद इसरो को अपने भविष्य के मिशनों के लिए इस्तेमाल कर सकता है. चंद्रयान-2 मिशन पूरी तरह असफल नहीं रहा है. इसका ऑर्बिटर अभी भी चांद की कक्षा में घूम रहा है. इस मिशन

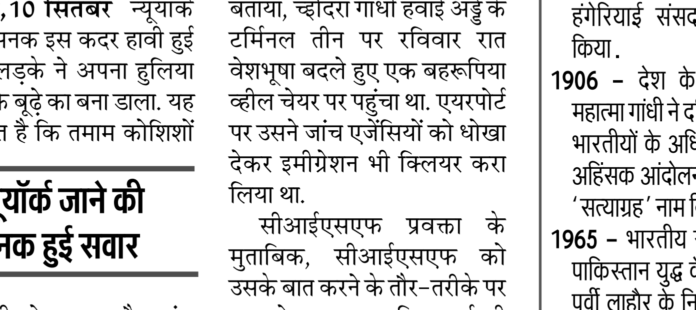

से मिली सीख इसरो को आगे के अभियानों में काम आएगी.

1950 के दशक में शुरू हुई चांद को छूने की तमन्ना- चांद को छूने की तमन्ना की शुरुआत 1950 के दशक से हुई थी. दुनिया की दो बड़ी ताकतें अमेरिका और तत्कालीन सोवियत संघ (अभी रूस) ने इस दशक में कुल 14 मिशन चांद पर भेजे थे. अमेरिका ने कुल 7 मिशन चांद पर भेजे लेकिन उसे केवल एक मिशन में ही सफलता हाथ लगी. उधर, रूस ने कुल 4 मिशन चांद पर भेजे जिसमें उसे 3 में सफलता मिली.

अमेरिका-रूस का पहला मिशन रहा था फेल- अमेरिका ने अगस्त 1958 में अपने पहले मून मिशन पायनियर के जरिए चांद की जानकारी जुटाने की कोशिश की. हालांकि, लॉन्चिंग फेज के दौरान ही यह मिशन असफल हो गया. सोवियत संघ ने इसके ठीक एक महीने बाद सितंबर 1958 में मानवरहित लून मिशन शुरू किया. इस मिशन के जरिए सोवियत संघ चांद की सतह के बारे में जानकारी जुटाना चाहता था. हालांकि, यह मिशन भी लॉन्चिंग फेज में ही फेल हो गया.

रूस के तीन मिशन रहे सफल- पहली असफलता से सीख लेते हुए रूस ने 1959 में जनवरी से अक्टूबर तक 3 चांद मिशन लॉन्च किए और उसे करीब-करीब सभी में सफलता मिली. जनवरी 1959 में रूस ने लूना-1 मिशन को चांद पर भेजा. हालांकि उड़ान पथ के आकलन में गलती के कारण यह पूरी तरह सफल तो नहीं रहा और चांद के आगे निकल गया. लेकिन यह पहला ऐसा मिशन था जो चांद के करीब पहुंचा. इसके बाद सितंबर 1959 में रूस ने लूना-2 मिशन लॉन्च किया. यह पहला स्पेसक्राफ्ट रहा जिसने चांद के सतह की पहचान की. इसके अगले महीने अक्टूबर 1959 में लूना-3 के जरिए रूस पहली बार चांद के सतह की तस्वीर लेने में सफल रहा.

60 के दशक में अमेरिका-रूस में मची होड़- 1950 के दशक में सोवियत रूस से पिछड़ने के बाद 1960 के दशक में अमेरिका और रूस में चांद पर मिशन भेजने की होड़ लग गई.

लूना-9 के जरिए पहली सॉफ्ट लैंडिंग

सोवियत रूस ने जनवरी 1966 में लूना-9 के जरिए पहली बार चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग हासिल करने में सफलता पाई. इस मिशन ने चांद के सतह की तस्वीरें भी भेजीं. मार्च 1966 में रूस ने लूना-10 के जरिए ऑर्बिटर भेजने में सफलता पाई. सितंबर 1968 में रूस ने जोंड-5 के रूप में पहला स्पेसक्राफ्ट चांद की कक्षा में भेजा जो सफलतापूर्वक धरती पर लौटने में कामयाब भी रहा. इस मिशन में चांद पर पशुओं को भी भेजा गया था. इसमें दो कछुए, फ्रूट फ्लाई एग (मच्छरों के अंडे) और पौधे भेजे गए थे. इसके बाद नवंबर 1968 में जोंड-6 मिशन धरती पर लौटते वक्त क्रैश हो गया. फरवरी 1969 में रूस ने पहली बार मून रोवर को भेजने की कोशिश की लेकिन यह चांद की कक्षा में पहुंचने में फसल रहा और नष्ट हो गया.